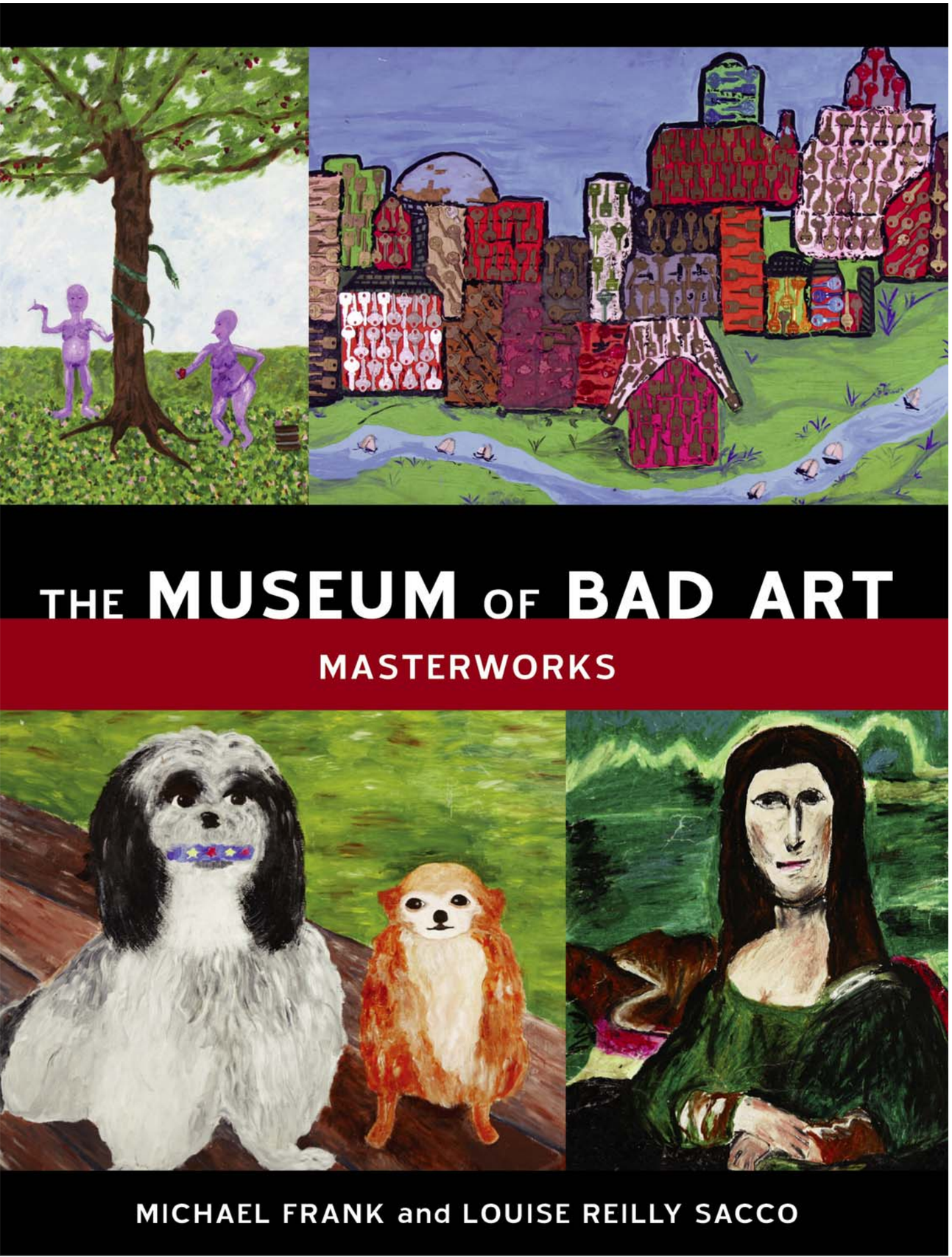

म्यूज़ियम ऑफ़ बैड आर्ट से पुनर्मुद्रित: माइकल फ्रैंक और लुइस रिली साको की कला, मार्क रिचर्ड की फोटोग्राफी। कॉपीराइट © 2008, टेन स्पीड प्रेस, बर्कली, कैलिफोर्निया। www.tenspeed.com

अमेरिका के अनोखे संग्रहालय

लॉरेन मॉनसेन

घटिया कला, दूसरे ग्रहों के प्राणी, जासूसी के उपकरण, यहां तक कि तिलचट्टे तक, यहां हर चीज़ हास्य-परिहास और विशिष्टता से सराबोर है।

संग्रहालय'' के नाम से हममें से ज़्यादातर की कल्पना में कलावीथिका या डायनोसॉरों की हड्डियों, ऐतिहासिक चित्रों, सांस्कृतिक कलावस्तुओं आदि से भरे संस्थान की छवि कौंध जाती है। लेकिन अमेरिकाभर में रचनात्मक, चौंकाऊ विचारों और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति को ज़बर्दस्त भाव देने वाले एक राष्ट्र को सलाम करते, चित्र-विचित्र विषयों को समर्पित अनेक संग्रहालय बिखरे हैं जो छोटे-बड़े शहरों-कस्बों को उनकी खास पहचान देते हैं।

लीक से हटकर घूमने के शौकीन पर्यटकों के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत हैं। डैडहम, मैसाच्यूसेट्स स्थित म्यूज़ियम ऑफ़ बैड आर्ट खुद को ''अनपहचाने, बुरे कलाकारों की कृतियों को समर्पित महान स्मारक'' कहता है और भयानक रूप से बुरी कलाकृतियों को संग्रहीत और प्रदर्शित करता है। म्यूज़ियम ऑफ़ बैड आर्ट की वेबसाइट गर्व से बताती है कि एक पुरानी इमारत के तहखाने में

बाएं: म्यूज़ियम ऑफ़ बैड आर्ट के स्थायी संग्रह से ली गई 70 कलाकृतियों के बारे में बताने वाली पुस्तक का आवरण।

ऊपर दाएं: रॉजवेल, न्यू मेक्सिको के अंतरराष्ट्रीय यूएफ़ओ संग्रहालय एवं शोध केंद्र में 2006 के यूएफ़ओ उत्सव के दौरान उड़नतश्तरी और बाहरी ग्रह के प्राणी की कलाकृति के पास दर्शक।

दाएं: ऑस्टिन, मिनेसोटा के स्पैम संग्रहालय में हॉट डॉग की शक्ल में बना वाहन द ऑस्कर मेयर विनरमोबाइल।

रुडु पेंटांग © ए.पी. - डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी./रोबोल डेनी स्चिर्नेर

क्रिस्टेन बी. जॉनसन © ए.पी. - डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी./ऑस्टिन डेली हेराल्ड

मार्ग मोहन © पी. ए. डब्ल्यू. पी. ऐसोसिएशन अवर पोस्ट

ऊपर, बाएं से: बेघर व्यक्ति का वेश जासूसों का पसंदीदा रहा है, 1970 के दशक में पूर्ववर्ती सोवियत संघ की जासूसी एजेंसी केजीबी द्वारा इस्तेमाल में लाए गए बटन के छिद्र में लगे कैमरे वाले कोट, विशेष जासूसी कार जिसे 1964 में जेम्स बांड की थ्रिलर फ़िल्म गोल्डफ़िंगर में इस्तेमाल किया गया द एस्टॉन मार्टिन डीबी5, अमेरीकी जासूसी संस्था सीआईए द्वारा 1970 के दशक में इस्तेमाल में लाया गया सुनने का यंत्र जो किसी पेड़ के तने जैसे लगता है, शीत युद्ध के दौरान केजीबी द्वारा इस्तेमाल में लाई गई सिंगल शॉट 4.5 मिमी लिपिस्टिक पिस्तौल, एडी में छिपे ट्रांसमीटर, माइक्रोफोन और बैटरी युक्त जूता, जिसे केजीबी द्वारा बातचीत को सुनने के लिए 1960 के दशक में इस्तेमाल में लाया जाता था।

सिटी ऑफ़ स्पाईज प्रदर्शनी में युद्ध के बाद के बर्लिन को पृष्ठभूमि के रूप में दिखाया गया है। इसमें बर्लिन सुरंग, पूर्वी बर्लिन के सोवियत सैन्य मुख्यालय और मास्को के बीच सीआईए और ब्रिटेन की जासूसी संचार लाइनों का व्यापक जाल और पूर्वी जर्मनी की जासूसी पुलिस स्तासी को दिखाया गया है।

जाने: यम आर इंटरनेशनल मार्ग बुलियम

ज़्यादा जानकारी के लिए:

म्यूज़ियम ऑफ़ बैड आर्ट

http://www.museumofbadart.org/

संदिग्ध चिकित्सा उपकरणों से संबद्ध संग्रहालय

http://www.smm.org/exhibitservices/history/collections/gallery/9/

मानव पुतलों से संबद्ध वेंट हैवन संग्रहालय

http://www.venthavenmuseum.net/bio.html

लिबरेस संग्रहालय

http://www.liberace.org/liberace_biography/

यूएफ़ओ संग्रहालय एवं शोध केंद्र

http://www.roswellufomuseum.com/

कॉकरोच हाल ऑफ़ फ़ेम संग्रहालय

http://www.pestshop.com/

अंतरराष्ट्रीय जासूसी संग्रहालय

http://www.spymuseum.org/

अनोखे संग्रहालयों पर पुस्तक

http://www.blackdogandleventhal.com/products/9781579122560/

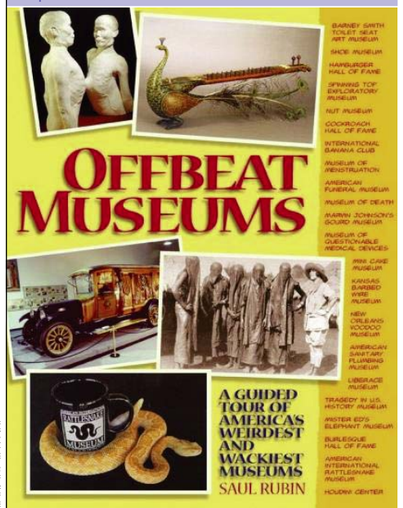

साभार: सैंट मॉनिका प्रेस

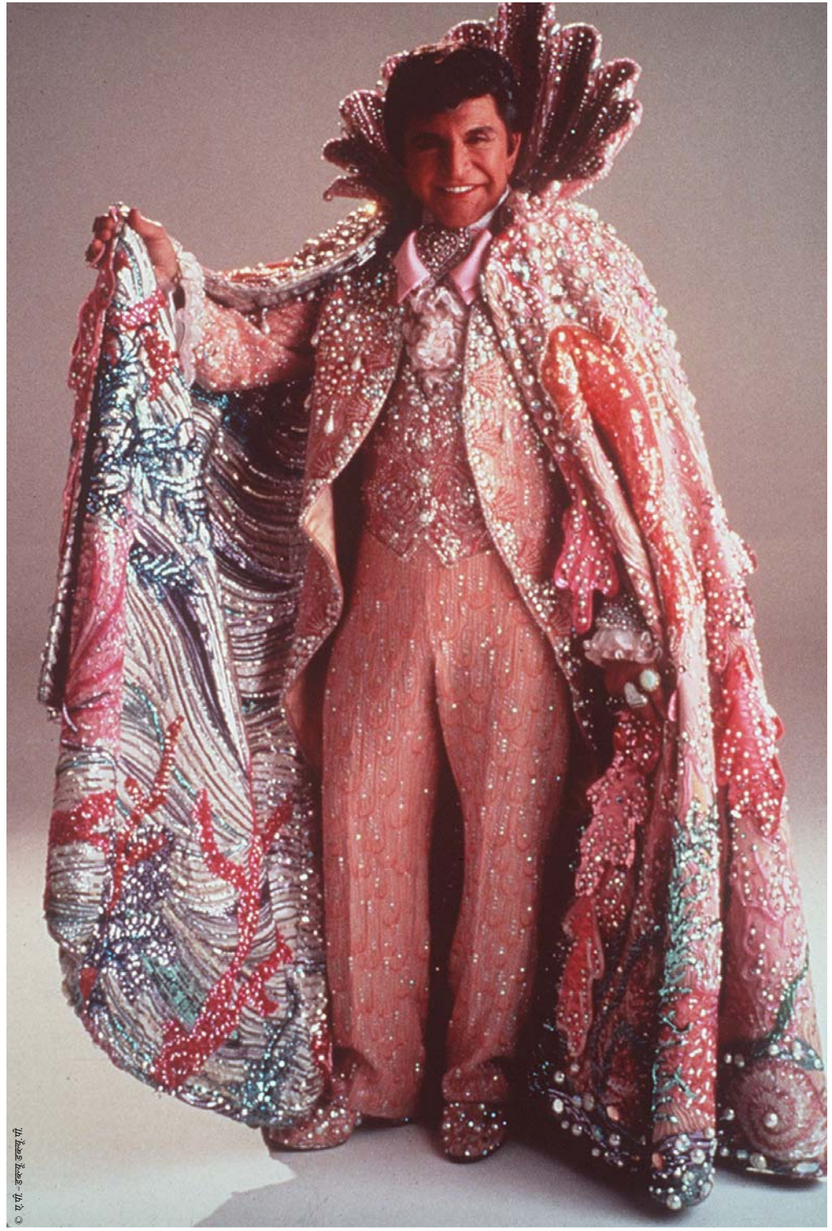

© पी. डब्ल्यू. पी. ©

दाएं: अपनी आभूषण युक्त वेशभूषा में लिबरेस

स्थित, ''म्यूज़ियम ऑफ़ बैड आर्ट एक बड़े, गुनगुनाहट भरे, फ्लोरोसेंट लैम्प से प्रकाशित है।'' प्रदर्शित कलाकृतियों जैसा ही रोचक उनका वर्णन है। कला समीक्षा के लिए इस्तेमाल होने वाले भारी-भरकम, पंडिताऊ गद्य की तर्ज़ पर ''पीटर द किट्टी'' नाम के एक चित्र को ''बिल्ली के अंतर्द्वन्द्व का मार्मिक चित्रण'' बताया गया है।

मिनेसोटा के सेंट पॉल कस्बे में म्यूज़ियम ऑफ़ क्वश्चनेबल मेडिकल डिवाइसेज़ नीमहकीमी के संग्रहालय के रूप में प्रसिद्ध है। यहां फ्रेनॉलॉजी मशीनों (जो किसी की खोपड़ी के उभारों का अध्ययन करके उसके चरित्र का विश्लेषण करने का दावा करती थीं) के ज़बर्दस्त संग्रह के अलावा नाक सीधी करने वाले उपकरण, बैटल क्रीक वाइब्रेटरी चेयर और रोगियों पर चुम्बकीय तरंगों की बौछार करके उन्हें फिर से जवान बनाने का दावा करने वाला मैक्ग्रेगर रीजुवेनेटर जैसे अनेक उपकरण संग्रहीत हैं। द न्यू यॉर्क टाइम्स ने इसे ''मनुष्य जाति की अवस्वस्थता से पैसा कमाने के हैरतअंगेज प्रयासों का साक्षी'' कहा है। म्यूज़ियम ऑफ़ क्वश्चनेबल मेडिकल डिवाइसेज़ अपनी मातृ संस्था द साइंस म्यूज़ियम ऑफ़ मिनेसोटा में ही स्थित है।

फोर्ट मिचल, केंटकी के वेन्ट हैवन म्यूज़ियम में 700 से अधिक बहुत सफाई से तैयार की गई वैंट्रिलॉक्विस्ट डमी यानी जीते-जागते मनुष्य का भ्रम पैदा करने वाले पुतले हैं। मूलत: नाटकों, फिल्मों और पुराने टेलिविजन कार्यक्रमों में इस्तेमाल के लिए बने ये पुतले आंखें मटका सकते हैं, आंख मार सकते हैं, मुस्कुरा, रो, थूक और सलाम कर सकते हैं। यहां प्रदर्शित पुतलों में से बहुत लोकप्रिय हैं: बांके-छैले की तरह टक्सैडो सूट डाटे सिगरेट पीने वाला शैम्पेन चार्ली, फार्मर्स वाइफ़ के नाम से जानी जाने वाली एक देहाती गृहस्थिन (इसे रैशेल, द गॉसिप लेडी भी कहा जाता है), 1930 से 1950 के दशक तक काउबॉय फिल्मों में दिखने वाला एल्मर स्नीज़वीड और अभिनेत्री मैरिलिन मॅनरो पर आधारित ग्लैमर गर्ल डमी क्लियो।।

मिनेसोटा का ऑस्टिन कस्बा अमेरिका की स्पैम नगरी कहा जाता है- इस स्पैम का अनचाहे ई-मेलों से कोई लेना देना नहीं है। यहां स्पैम 1937 में आविष्कृत, सुअर के मांस से बना एक प्रसंस्कृत खाद्य है। हॉर्मेल फूड्स कॉर्पोरेशन द्वारा उत्पादित यह आहार दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान मित्र राष्ट्रों की सेनाओं को खिलाया गया था, इसलिए हॉर्मेल फूड्स कॉर्पोरेशन के अधिकारी गर्व से कहते कहते हैं कि उनके उत्पाद ने ''सभ्यता को बचा लिया।'' मानवता की सेवा में स्पैम के योगदान को सम्मानित करने के लिए हॉर्मेल फूड्स कॉर्पोरेशन ने स्पैम म्यूज़ियम स्थापित किया है जहां इसके बारे में सूचनाओं का अंबार उपलब्ध है। इसके अलावा संसार के एक नक्शे पर बाकायदा अंकित किया गया है कि कौन से देश में स्पैम की कितनी खपत होती है, एक टेलिविजन पर अंग्रेज कॉमेडी ट्रुप मॉन्टी पायथन्स फ्लाइंग सर्कस की एक हास्य नाटिका का वह दृश्य भी दिखाया जाता है जिस में वाइकिंग योद्धाओं का एक समूह जोरशोर से ''स्पैम, स्पैम, स्पैम'' गाता है।

हर चमकने वाली चीज़ सोना भले ही न हो लेकिन लास वेगास के लिबरेस म्यूज़ियम में चमक-दमक की कोई कमी नहीं। वर्ष 1987 में आखिरी सांस लेने वाले यह जबर्दस्त शोमैन और पियानोवादक लिबरेस खुद को ''मिस्टर शोमैनशिप'' कहते थे। उनकी स्मृति को समर्पित इस संग्रहालय में सलमें-सितारे-नगों से जड़ी उनकी भड़कीली मंचीय पोशाकों, गहने, सजी-धजी कारें (इनमें दर्पणों से जड़ी एक रॉल्स रॉयस भी शामिल है) और नगीनों जड़े पियानो संग्रहीत हैं। अक्सर यहां लिबरेस से प्रेरित संगीतकारों के कार्यक्रम भी होते हैं।

न्यू मेक्सिको के रॉज़वैल कस्बे का यूएफओ म्यूज़ियम एंड रिसर्च सेंटर अज्ञात उड़नतश्तरियों में विश्वास करने वालों के लिए वरदान से कम नहीं। इस कस्बे से अक्सर उड़नतश्तरियां देखे जाने की खबरें मिलती है। 1947 में यहां एक उड़नतश्तरीनुमा चीज आ गिरी थी। दुर्घटनास्थल की सफाई स्थानीय वायुसेना अड्डे ने की थी और उनका बयान था कि यह महज शोध के काम आने वाला एक गुब्बारा था, लेकिन उड़नतश्तरियों में विश्वास करने वालों का कहना है कि वायुसेना अधिकारी तथ्य छुपा रहे हैं। यूएफओ म्यूज़ियम एंड रिसर्च सेंटर में 1947 की यादें जगाते एक न्यूज़रूम और एक सरकारी 'लीपापोती' कक्ष हैं और अंतरिक्षवासियों के दिखने की सूचनाएं और उन पर छपी बहसें भी उपलब्ध हैं।

जासूस बनने का अरमान अगर दिल में ही रह गया हो तो वाशिंगटन डी.सी. का इंटरनेशनल स्पाई म्यूज़ियम जरूर देखें। यहां अज्ञात से लेकर विख्यात जासूसों तक की कहानियों के माध्यम से जासूसी का इतिहास बताया गया है और दर्शकों से अपेक्षा की जाती है कि वे किसी छद्म नाम और पहचान के साथ यहां आएं और एक जासूस की तरह ,पहचाने जाने से बचते हुए संग्रहालय देखें। यहां जासूसों द्वारा उपयोग किए गए असली सामानों का भी खासा संग्रह प्रदर्शित है- 1960 के दशक में सोवियत जासूसों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली लिप्स्टिक पिस्तौल उर्फ 'किस ऑफ़ डैथ'; शीतयुद्ध के दौरान गुप्त वार्ताओं को सुनने के लिए खास जूते जिनकी एड़ी में ट्रांसमिटर छिपे होते थे, 1970 के दशक में अमेरिकी गुप्तचर एजेंसी सीआईए द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सौर ऊर्जा संचालित ट्रांसमिटर युक्त पेड़ों के तने जिनका उपयोग गुप्त रेडियो ट्रांसमिशन सुनने के लिए किया जाता था।

कुत्तों द्वारा खींची जाने वाली स्लेजों से लेकर बार्बी गुड़ियाओं और मशहूर हस्तियों और ऐतिहासिक पात्रों की पोशाकों में सजे मृत तिलचट्टों- प्लेनो, टेक्सस के कॉकरोच हॉल ऑफ़ फेम की तरह- के प्रदर्शन तक इनमें हर किसी के देखने के लिए बहुत कुछ है।

नीचे: माइकल बोदन प्लेनो, टेक्सस के कॉकरोच हाल ऑफ़ फेम में अपनी 'खुद करिए' कीट नियंत्रण दुकान में तट पर आराम फरमाती विशेष प्रजाति की मछलियों का दृश्य प्रदर्शित करते हुए।

नीचे दाएं: मैरिलिन मॅनरो के वेश में सजा-धजा कर प्रदर्शित एक तिलचट्टा हाल ऑफ़ फ़ेम में।

लॉरेन मॉनसेन America.gov *की कार्यालय लेखिका हैं।*

कृपया इस लेख के बारे में अपने विचार editorspan@state.gov *पर भेजिए।*

फोटो: मैट स्लोकम © ए पी. - डब्ल्यू डब्ल्यू पी